

**कक्षा –11**  
**विषय—ग्रन्थ शिल्प**  
**पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन**  
**सत्र 2025–26**

क्र०सं०	माह	इकाई	पाठ्यक्रम
1	अप्रैल	एक	<p>अप्रैल से शिक्षण कार्य प्रारम्भ होगा ।</p> <p>1. कागज बनाने का इतिहास, निर्माण (कुटीर उद्योग पद्धति), कच्चे समान के उद्गम एवं उनके बाजार, कच्चे माल से लुगदी बनाते समय गन्दगी एवं प्रदूषण से होने वाले प्रभाव व उनके बचाव के उपाय । भारत में मशीन द्वारा कागज बनाने के विभिन्न केन्द्र । कागज एवं दफती की आधुनिक माप प्रणाली । जैसे— ए शून्य, पवन आदि का परिचय ।</p>
2	मई	एक	<p>2. टाइप के विभिन्न अंग, टाइप के विभिन्न नाप, टाइप केस तथा उसकी व्यवस्था, टाइप का विवरण, प्रूफ सुधारना तथा उनके संकेत ।</p>
3	जून		ग्रीष्मावकाश
4	जुलाई	दो	<p>1. प्रयोग में आने वाली सामग्री कागज (सादा एवं डिजाइनदार दफती, जिल्डबन्दी का कपड़ा (सादा एवं डिजाइनदार), फीता आईलेट, प्रेस बटन आदि । नाप, उनकी वजन, रंगों आदि सहित उनका सही विवरण एवं उनके संग्रह की विधियों ।</p>
5	अगस्त	दो	<p>1. लेई, सरेस एवं गोद चिपकाने के आधुनिक पदार्थ ।</p> <p>2. लेई, सरेस आदि तैयार करना एवं उनसे उत्पन्न होने मले दुर्गम्य से बचाव ।</p>
6	सितम्बर	तीन	<p>1. यंत्र संरक्षण तथा उनके उचित प्रयोग एवं रख-रखाव ।</p> <p>(क) फोल्डर, कैंची, चाकू, पटरी, बैकिंग हैमर काटने की आरी, पंच, आई लेट लगाने का यंत्र, बटन लगान के यंत्र आदि ।</p>
7	अक्टूबर	तीन	<p>1. (ख) दफती काटने का यंत्र, निपिंग, प्रेस, स्टैपिंग एण्ड लाइन प्रेस ।</p> <p>2. जिल्डसाजी — व्यापारिक विधि एवं लेमिनेशन कार्य ।</p> <p>अर्द्धवार्षिक परीक्षा ।</p>
8	नवम्बर	चार	<p>1. प्रयोगार्थ सामग्री विभिन्न प्रकार के लिखने तथा आवरण पृष्ठ के कागज ।</p> <p>2. लेटर प्रेस, लोथो, आफसेट व स्क्रीन प्रिंटिंग की कूपाई ।</p>
9	दिसम्बर	पाँच	<p>1. निगेटिव बनाने की विधियाँ, धातु की प्लेट पर मुद्रण सतह बनाना । कैमरे का सिद्धान्त, हाफटोन एवं तिरंगी छपाई का सिद्धान्त ।</p> <p>2. ब्लाक बनाने रसायनिक पदार्थों के प्रयोग करते समय होने वाले प्रदूषण का निवारण ।</p>
10	जनवरी		<p>1. पढ़ाए गये पाठों की पुनरावृत्ति ।</p> <p>2. गृह परीक्षा का आयोजन ।</p>
11	फरवरी		1. बोर्ड परीक्षा की तैयारी ।
12	मार्च		<p>1. बोर्ड परीक्षा के बाद गृह परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एवं परीक्षाफल तैयार करना ।</p> <p>2. छात्रों को परीक्षाफल वितरित करना ।</p> <p>3. आगामी सत्र के प्रवेश कार्य हेतु तैयारी करना ।</p>